उच्च शिक्षा उत्कृष्टता संस्थान (आई• ई• एच• ई•),

बी•ए•/बी•एस.सी•/ बी•कॉम• (आनर्स): भाग.1 सेमेस्टर : i F-103,(R-11)

विषयः आधार पाठ्यक्रम प्रश्नपत्र : हिन्दी भाषा

शीर्षक : हिन्दी भाषा ..– साहित्य और परम्परा सत्र 2021–22

पाठ्यकम

1. हिन्दी भाषा का उद्भव और विकास (आठवीं से तेरहवीं सदी)।
2. वर्णमाला का परिचय
   स्वर और व्यंजन, अनुस्वार और अनुनासिक, स्पर्श व्यंजन, उत्क्षिप्त व्यंजन, अन्तःस्थ व्यंजन, संयुक्त व्यंजन।
3. शब्द विचार और सम्पदा – व्युत्पत्ति, रचना, अर्थ एवं प्रयोग के आधार पर शब्द के भेद।
4. अशुद्धि संशोधन-- वर्तनीगत, शब्दगत एवं वाक्यगत।
5. **प्रादर्श पाठ** : भक्तिकालीन आन्दोलन और संत कवि :

क. कबीर की भक्ति और निर्गुण साधना– पाँच साखियाँ एवं दो पद

1. सतगुरु की महिमा अनंत......................
2. चकवी बिछुरी रैणि की..........................
3. जब मैं था तब हरि नाहिं.....................
4. यहु तन काँचा कुंभ है, चोट चहुँ दिसि खाय.............
5. केसो कहा बिगाड़िया.............................

पद

1. मन फूला फूला फिरै जगत में...........................
2. तेरा मेरा मनुवां कैसे एक होइ रे..................

ख. रैदास का परिचय एवं उनके दो पद–

– प्रभु जी तुम चंदन हम पानी।
– रामहिं पूजा कहाँ चढ़ाऊँ

6. **प्रादर्श पाठ** : खड़ी बोली कविता की शक्ति

- मैथिलीशरण गुप्त --सखि, वे मुझसे कहकर जाते
- माखनलाल-चतुर्वेदी –कैदी और कोकिला
- बालकृष्ण शर्मा 'नवीन' –हम अनिकेतन

7. **प्रादर्श पाठ** – गद्य का विकास

- राजा शिवप्रसाद 'सितारे हिंद'--राजा भोज का सपना
- चंद्रधर शर्मा गुलेरी –उसने कहा था
- सरदार पूर्ण सिंह –आचरण की सभ्यता

8. संचार माध्यमों की भाषा :
   - कम्प्यूटर और हिन्दी
   - अभ्यास :
     आवेदन एवं पत्र लेखन (शासकीय एवं अशासकीय)

9. द्रुत पाठ – अंधेर–नगरी

नोट–

1. प्रादर्श पाठ से आशय पूछा जायेगा ।
2. गद्य एवं पद्य तथा द्रुत पाठ से व्याख्या नहीं पूछी जायेगी ।

उच्च शिक्षा उत्कृष्टता संस्थान (आई॰ ई॰ एच॰ ई॰),

बी॰ए॰ / बी॰एस.सी॰ / बी॰कॉम॰ (आनर्स) : (आनर्स): भाग.1 F-103,(R-11)
सेमेस्टर : ii

विषयः आधार पाठ्यक्रम प्रश्नपत्र : हिन्दी भाषा

शीर्षक हिन्दी भाषा –. साहित्य और परम्परा II सत्र 2021 – 22

पाठ्यक्रम

1. हिन्दी की बोलियाँ : पश्चिमी एवं पूर्वी बोलियों का सामान्य परिचय
2. मानक भाषा – परिभाषा, लक्षण एवं महत्व ।
3. मुहावरे और लोकोक्तियाँ।
4. **प्रादर्श पाठ** : भक्तिकालीन आन्दोलन और संत कवि :

- **सूरदास का काव्य और सगुण उपासना –(पाँच पद)**

1.अविगत गति कछु कहत न आवै.....
2.हमारे प्रभु अवगुन चित न धरो.....
3.सोभित कर नवनीत लिए.....
4.बूझत स्याम कौन तू गोरी.....
5.उद्धव मन नाहिं दस बीस.....

- गिरधर कविराय की चार कुण्डलियाँ–

1. बिना विचारे जो करै सो पाछे पछताय।
2. बीती ताहिं बिसारि दे, आगे की सुधि लेय।
3. गुन के गाहक सहस नर
4. दौलत पाय न कीजिए

5.**प्रादर्श पाठ** : खड़ी बोली कविता की शक्ति

- भवानी प्रसाद मिश्र –सतपुड़ा के घने जंगल
- त्रिलोचन –चंपा काले काले अक्षर नहीं चीन्हती
- गिरिजा कुमार माथुर –आज विजय की रात पहरुये सावधान रहना

6. **प्रादर्श पाठ** – गद्य का विकास

- रामचंद्र शुक्ल –करुणा (निबंध)
- महादेवी वर्मा –चीनी भाई (संस्मरण)
- राम कुमार वर्मा –दीपदान (एकांकी)

7. द्रुत पाठ –शरद जोशी – अंधों का हाथी

नोट –

1. प्रादर्श पाठ से आशय सारांश पूछा जायेगा ।
2. गद्य एवं पद्य से व्याख्या नहीं पूछी जायेगी ।

उच्च शिक्षा उत्कृष्टता संस्थान (आई॰ ई॰ एच॰ ई॰),

बी॰ए॰/बी॰एस.सी॰/ बी॰कॉम॰ (आनर्स): भाग.II सेमेस्टर : III F- 303 (R-12)

विषयः आधार पाठ्यक्रम प्रश्नपत्र : हिन्दी भाषा

शीर्षकहिन्दी भाषा– साहित्य और संवेदना सत्र 2021 -22

पाठ्यक्रम

1- हिन्दी का विकास एवं अन्य रूप : हिन्दवी, रेख्ता, हिन्दुस्तानी, उर्दू, दक्खिनी ।

2- वाक्य विचार : वाक्य, उपवाक्य और वाक्यांश, रचना एवं अर्थ के आधार पर वाक्य के भेद ।

3- प्रादर्श पाठ – गद्यभाषा की रचना

- कफन – प्रेमचन्द
- नाखून क्यों बढ़ते हैं – हजारी प्रसाद द्विवेदी
- वापसी – विष्णु प्रभाकर

4- प्रादर्श पाठ – भक्तिकालीन सामाजिकता : तुलसीदास की साहित्य साधना
कवितावली : 1 मातु–पिता जग जाइ तज्यौ,
2 खेती न किसान को भिखारी को न भीख बली

5- **प्रादर्श पाठ – नजीर अकवरावादी की दो नज्में –**
1- बंजारा नामा , **2-** गुरुनानक

6- **प्रादर्श पाठ : खड़ी बोली कविता की संवेदना–**

(क) जयशंकर प्रसाद : स्वतंत्रता पुकारती
(ख) सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला ' : बादलराग–1
(ग) धूमिल (सुदामा पाण्डे) : रोटी और संसद
(घ) हरिवंश राय बच्चन : पथ की पहचान

7- (क) संक्षेपण और पल्लवन,
(ख) राष्ट्रभाषा एवं राजभाषा, प्रयोजन मूलक हिन्दी

8- द्रुत पाठ : आषाढ़ का एक दिन

विशेष –.प्रादर्श पाठ से आशय एवं द्रुत पाठ से समीक्षा पूछी जाये। किसी भी अंश से व्याख्या नहीं पूछी जायेगी ।

उच्च शिक्षा उत्कृष्टता संस्थान (आई॰ ई॰ एच॰ ई॰),

बी॰ए॰/बी॰एस.सी॰/ बी॰कॉम॰ (आनर्स): भाग II सेमेस्टर : IV F- 303 (R-12)

विषयः आधार पाठ्यक्रम प्रश्नपत्र : हिन्दी भाषा

शीर्षक :हिन्दी भाषा : साहित्य और संवेदना सत्र 2021–22

पाठ्यक्रम

1- विराम चिन्ह : अल्पविराम, अर्द्धविराम, प्रश्नचिन्ह, निर्देशन चिन्ह, अवतरण चिन्ह, कोष्ठक, पूर्णविराम, योजक–चिन्ह, पुनरुक्तिबोधक चिन्ह, आदेश चिन्ह, हंसपद चिन्ह

2- संधि– परिभाषा एवं प्रकार

3- प्रादर्श पाठ – गद्यभाषा की रचना

- पुरस्कार – जयशंकर प्रसाद
- परमात्मा का कुत्ता – मोहन राकेश
- जीप पर सवार इल्लियाँ – शरद जोशी

4- प्रादर्श पाठ – रीतिकालीन कविता की विशेषताएँ - ब्रजभाषा का सौंदर्य

बिहारी के पाँच दोहे - शृंगार और प्रकृति

i. बतरस लालय लाल की.....नटि जाए।
ii. नहिं पराग नहिं मधुर.....आगे कौन हवाल ।
iii. अधर धरत हरि के .....इन्द्रधनुष रंग होति ।
iv. कहत, नटत, रीझत.....नैनन हीं सो बात ।
v. कहलाने एकत बसत.....दीरघ दाघ निदाघ ।

5- रहीम के पाँच दोहे - (नीति)

i. रहिमन धागा प्रेम का.....गाँठ पड़ जाए ।
ii. रहिमन पानी राखिए.....मोती, मानुष, चून ।
iii. कदली सीप भुजंग.....तैसोई फल दीन ।
iv. यों रहीम सुख.....ज्यों मेंहदी को रंग ।
v. जो रहीम उत्तम.....रहत भुजंग ।

6- प्रादर्श पाठ खड़ी बोली कविता की संवेदना –

(क) मधुकरी (पल्लव) : सुमित्रानन्दन पंत :
(ख) वीरों कैसा हो वसन्त : सुभद्रा कुमारी चौहान
(ग) जनतंत्र का जन्म : रामधारी सिंह दिनकर

7- वक्तृत्व कला : विवेकानंद : शिकागो व्याख्यान –

विशेष –प्रादर्श पाठ से आशय पूछे जायेंगे । किसी भी अंश से व्याख्या नहीं पूछी जायेगी ।

उच्च शिक्षा उत्कृष्टता संस्थान (आई॰ ई॰ एच॰ ई॰),

F-503 ;R-13)

बी॰ए॰/बी॰एस.सी॰/ बी॰कॉम॰ (आनर्स): भाग.III

सेमेस्टर : V

विषय : आधार पाठ्यक्रम

प्रश्नपत्र : हिन्दी भाषा

शीर्षक : हिन्दीभाषा -साहित्य और आधुनिकता सत्र 2021- 22

पाठ्यक्रम

1- खड़ीबोली गद्य का विकास

2- समास परिभाषा और प्रकार

3- शब्द शक्ति– अभिधा, लक्षणा, व्यंजना

4- **प्रादर्श पाठ** : हिन्दी गद्य की विधाएं (निबंध)

(क) भोलाराम का जीव – हरिशंकर परसाई

(ख) आंगन का पंछी – विद्या निवास मिश्र

(घ) भारतीय संस्कृति – राजेन्द्र प्रसाद

5 – प्रादर्श पाठः हिन्दी गद्य की विधाएं (कहानी)

(क) ताई – विश्वंभरनाथ शर्मा कौशिक

(ख) चीफ की दावत – भीष्म साहनी

(ग) अपना अपना भाग्य – जैनेन्द्र

6 –**प्रादर्श पाठ** : खड़ीबोली की नयी अभिव्यंजना

(क) शिवमंगल सिंह 'सुमन'– मिट्टी की महिमा

(ख) बशीर बद्र : उजाले अपनी यादों के एवं सर झुकाओगे तो पत्थर देवता हो जायेगा

(ग) कीर्ति चौधरी : फूल झर गए

7 –इलेक्ट्रानिक मीडिया और विश्वभाषा हिन्दी

8 – अनुवाद की प्रकिया और सिध्दांत –
अंग्रेजी से हिन्दी में अनुवाद एवं हिन्दी से अंग्रेजी अनुवाद

9 –द्रुत पाठ – स्वाध्याय : सौन्दर्य की नदी नर्मदा– अमृत लाल बेगड़

विशेष : *1.प्रादर्श पाठ से आशय और द्रुत पाठ से सार पूछा जायेगा।*
2.किसी भी अंश से व्याख्या नहीं पूछी जायेगी ।

उच्च शिक्षा उत्कृष्टता संस्थान (आई॰ ई॰ एच॰ ई॰),

F-503 ;R-13)

बी॰ए॰/बी॰एस.सी॰/ बी॰कॉम॰ (आनर्स): भाग.III
सेमेस्टर : VI

विषय : आधार पाठ्यक्रम : प्रश्नपत्र : हिन्दी भाषा

शीर्षक हिन्दी भाषा. साहित्य और आधुनिकता सत्र 2021-22

पाठ्यक्रम

1- देवनागरी लिपि और हिन्दी वर्तनी

2- अलंकार - शब्दालंकार-अनुप्रास, यमक और श्लेष तथा अर्थालंकार - उपमा, रूपक और उत्प्रेक्षा

3- रसः नव रस उदाहरण सहित

4- प्रादर्श पाठ : हिन्दी गद्य की अन्य विधाएं

(क) मक़ील -यशपाल
(ख) गूलर का फूल -कुबेरनाथ राय
(ग) साहित्य -लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय

5- प्रादर्श पाठ : खड़ीबोली की नयी अभिव्यंजना

(क) अज्ञेय -सामाज्ञी का नैवेद्यदान
(ख) मुक्तिबोध -भूल गलती
(ग) नागार्जुन -अकाल और उसके बाद
(घ) अटल बिहारी वाजपेयी -कदम मिला कर चलना होगा

6- हिन्दी ग़ज़ल और दुष्यन्त कुमार - (साये में धूप)-
1. कहाँ तो तय था चिरांगा...,
2. ये सारा जिस्म झुक कर ....

7- फीचर, पटकथा लेखन, नुक्कड़ नाटक और साक्षात्कार

विशेष : *१.प्रादर्श पाठ से समीक्षा पूछी जायेगी*
2-किसी भी अंश से व्याख्या नहीं पूछी जायेगी ।

उच्च शिक्षा उत्कृष्टता संस्थान (आई॰ ई॰ एच॰ ई॰),

बी॰ए॰ (आनर्स): भाग.I | सेमेस्टर : प्रथम

विषय : हिन्दी साहित्य | प्रश्नपत्र : आनर्स-एक सत्र:2021-22

शीर्षक – आदिकालीन एवं भक्तिकालीन साहित्य

पाठ्यक्रम

नोटः इस प्रश्नपत्र में आदिकालीन एवं भक्तिकालीन साहित्य एवं निर्धारित कवियों का अध्ययन किया जायेगा।

(क) हिन्दी साहित्य का उद्भव एवं विकासःहिन्दी साहित्य का इतिहास लेखन और परंपरा रचनाकार एवं

1-अमीर खुसरो की पहेलियाँः

- एक थाल मोती से भरा.....
- एक नार ने अचरज किया.....
- एक नार दो को ले बैठी.....
- चाम मास बाके नहिं नेक....
- उज्ज्वल बरन, अधीन तन...
- खुसरो नैन सुहाग की....
- गोरी सोवै सेज .....

2- चन्दवरदायीः पृथ्वी राज रासो, सम्पादकः हजारी प्रसाद द्विवेदी,नामवर सिंह

आदि पर्व के प्रथम तीन पद -

- आदि देव प्रनम्य ..... सर्वेस वर्दामयं ।
- कहै कांति सम .....कवियन कहै ।
- सम वनिता .....कवितह हँसन ।

(घ) भक्तिकाल काल विभाजन एवं रचनाकार और उनकी रचनाएँ-

3- कबीर- (कबीर ग्रंथावली सं.श्यामसुन्दर दास)

- पीछे लागा जाइ था.....॥
- जाका गुरु भी आँधला .....॥ १५।
- कबीर कूँता राम का ..... ॥१४ ।
- हिरदा भीतरि आरसी..... ॥ ८।
- कबीर माला काठ की..... ॥ ५॥
- केसौं कहा बिगाड़िया..... ॥ १२॥

- माषी गुड़ मैं गड़ि रही.....

कबीर यहु घर प्रेम का..... ॥ १९॥

- पाँणी केरा बुदबुदा..... ॥१४॥
  कस्तूरी कुडंलि बसै..... ॥१॥

4- जायसी- नागमती सुआ संवाद

5- सूरदास बाललीला-

- सोभित कर नवनीत लिये ।
- कहन लागै मोहन मइया मइया
- मैया, कबहि बढ़ैगी चोटी
- खेलत मैं को काको गुसैया
- मैया मैं नहिं माखन खायो

6-तुलसीदास- रामचरित मानस (गीताप्रेस)

(क) उत्तरकाण्ड के- दोहा कमांक ३२ से ३८ संतों के लक्षण-

(ख) कवितावली के पांच पद-

- अवधेस के द्वारैं सकारे गई..... ॥१॥ (बालकाण्ड
  नाम अजामिल से खल कोटि..... ॥७॥ (अयोध्या काण्ड)
- पुर तें निकसी रघुबीरबधू..... ॥११॥ (अयोध्या काण्ड)
- किसबी, किसान कुल वनिक ..... ॥९६॥ (उत्तर काण्ड)

- धूत कहौ अवधूत कहौ..... ॥१०६॥ (उत्तर काण्ड)

7- मीरा - भक्तिमती मीराँबाईः (लाल बहादुर सिंह चौहान)

- मेरे तो गिरधर गोपाल ..... ॥१॥
- बसौ मेरे नैनन में नदलाल..... ॥२॥
- भज मण चरण कमल अविनासी..... ॥१७७॥
- राम नाम रस पीजै मनुआँ..... ॥१७८॥
- मीराँ मगन भई हरि के गुण गाय ..... ॥७२॥

नोट- समस्त पाठ्यकम से वस्तुनिष्ठ, लघुउत्तरीय दीर्घ उत्तरीय एवं व्याख्या पूछी जायेगी ।

अंक विभाजन –

1. वस्तुनिष्ठ प्रश्न	– 30 अंक	
2. लघु उत्तरीय	– 32 अंक	
3. दीर्घ उत्तरीय 3 X 22	– 66 अंक	88
कुल दो व्याख्यांश 2 X 11	– 22 अंक	

उच्च शिक्षा उत्कृष्टता संस्थान (आई॰ ई॰ एच॰ ई॰),

बी॰ए॰ (आनर्स): भाग.I

सेमेस्टर : प्रथम

विषय : हिन्दी साहित्य

प्रश्नपत्र : आनर्स दो,प्रश्न-पत्र सहायक.

शीर्षक – प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य .सत्र 2021-22

पाठ्यक्रम

नोटः *इस प्रश्नपत्र में प्राचीन एवं मध्यकालीन रचनाकारों एवं उनकी रचनाओं का अध्ययन किया जायेगा।*

(क) हिन्दी साहित्य काल विभाजन की अवधारणाः

(ख) जैन-नाथ एवं सिद्ध साहित्य का परिचयः

(ग) प्राचीन एवं मध्यकालीन रचनाकार एवं रचनाएँ-

१. विद्यापति का परिचय एवं उनके चार पद-

- नव नव....पल्लव सेज ओछाअल.....॥७०॥ (सं० गंगाधर मिश्र कवि विद्यापति)
- आएल ऋतुपति राज वसंत.... समुखहि कोकिल पंचम गाय.....॥७१॥ वही
- जे फूल भमर निन्दहु सुमन...सेहे संसार का कसार.....॥७४॥ वही
- सक्कय वाणी बहुअ न भावइ .. तैंसन जम्पओं अवहट्ठा .....॥७७॥ वही

२ कबीर ग्रंथावली के पद- सं० श्यामसुन्दर दास

- पाडें कौन कुमति तोहि लागी .....-३९
- पंडित बाद बदन्ते झूठा.....-४०
- हम न मरैं मरिहैं संसारा.....-४३
- मन थिर रहै न घर है मेरा.....-७९
- हरि जननि मैं बालक तेरा.....१११

3. तुलसीदास की दास्य भक्ति का परिचय-

(क) विनय पत्रिका के चार पद-

- कबहुँक अंब.....-४१
- श्री रामचंद्र कृपालु.....-४५
- अबलौं नसानी.....-१०५
- हे हरि यह भ्रम की १२१

(ख) दोहावली के दस दोहे-

1- सघन सगुन.....

2- बड़ो गहे... ,

3- आपन छोड़ो ....,

4- उरवि परि .....,

5- कलि कुचालि .....,

6- गो खग.....,

7- साधन समय ....,

8- तुलसी पावस....,

9- का भाषा.....,

10- मनि मानिक.....

४. सूरदास- भ्रमरगीत सारं -सम्पा. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल.... कुल चार पद :

१ निर्गुण कौन देस को बासी..... ६४

२ काहे को रोकत मारग सूधो..... ६२

३ प्रीति करि दीन्हीं गरै छुरी..... ७७

४ संदेसों देवकी सो कहियो..... ३७७

५. रसखान का परिचय एवं पद- (रसखान रचनावली: सं. विद्यानिवास मिश्र,सत्यदेव मिश्र)

1- मानुष हौ तो वही रसखान.....१

2- मोर पखा सिर ऊपर राखिहौ.....३

3- धूर भरे अति सोभित स्याम जू १८

4- सेस गणेस महेस दिनेस सुरेसहु..... ३१

प्रेम-वाटिका से-

1- बिन गुन जोवन .... सकल रसखानि..... १७

2- दम्पति सुख ..... प्रेम रसखानि..... १९

3- प्रेम हरी को ... सूरज और धूप..... २४

4- ग्यान ध्यान ... एक अनेक..... २७

5- हरि के सब ... याहि बड़प्पन दीनि..... ३६

६. केशव रामचन्द्रिका . रावण अंगद संवाद

७. बिहारी के पॉच पद

१ अति अगाध अति औधरौ

२ इत आवति चलि जाति उत

३ इहीं आस अटक्यौ रहे,अलि गुलाब

४ कोऊ कोरिक संग्रहौ,कोऊ लाख हजार

५ दृग उरझत टूटत कुटुम

नोट- समस्त पाठ्यक्रम से वस्तुनिष्ठ, लघुउत्तरीय दीर्घ उत्तरीय एवं व्याख्या पूछी जायेगी ।

प्रश्न-पत्र 150 अंक का रहेगा ।

वस्तुनिष्ठ प्रश्न : 30

व्याख्यांश (दो ११X२ =२२ अंक) एवं: दीर्घ उत्तरीय 88 अंक

लघुउत्तरीय : 32 अंक

उच्च शिक्षा उत्कृष्टता संस्थान भोपाल (आई.ई.एच. ई)

बी.ए. (आनर्स) भाग –दो
विषय– हिन्दी विशिष्ट

सेमेस्टर III
प्रश्नपत्र ऑनर्स–I

शीर्षक– हिन्दी साहित्य– भारतेन्दु एवं द्विवेदी युगीन काव्य सत्र 2021 –22

पाठ्यक्रम

1. भारतेन्दु युगीन काव्य का परिवेश, काव्यगत विशेषताएँ एवं प्रमुख कवि

2 द्विवेदी युगीन राष्ट्रीय–सांस्कृतिक काव्य धारा का परिचय,काव्यगत विशेषताएँ एवं प्रमुख कवि

3 भारतेन्दु हरिशचन्द्र– (अ) मातृभाषा के प्रति (कविता)
(ब) मुकरियॉ– (क) सब गुरूजन को बुरो बतावै ------
(ख) तीन बुलावे तेरह आवें ----------
(ग) सीटी देकर पास बुलावे ----------
(घ) भीतर–भीतर सब रस चूसै--------
(च) सतएँ अठएँ मो घर आवै----------
(छ) मुँह जब लागे तब नहिं छूटै-------

4. प्रताप नारायण मिश्र – होलिका पंचक (कविता)
5 महावीर प्रसाद द्विवेदी – प्यारा वतन – 12 पद

6 जगन्नाथ दास 'रत्नाकर' कुल – 3 कवित्त
(अ) सुघर सलोने स्याम–
(ब) आयौं जूरि उततें
(स) आवे लाल गहरि गहाई

7 अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध – प्रिय प्रवास (अष्ठम सर्ग के प्रथम पांच पद)
(अ) यात्रा पूरी करके --------जान पाया ।
(ब) आती बेला बदन --------जान जाता ।
(स) दोनो प्यारे ----------होती यही थी ।
(द) गो गोपी के सकल ------खोके उन्हीं को ।
(इ) बैठे नाना जगह --------वेदनायें सुनाता ।

प्रिय प्रवास **(नवम सर्ग के सात से दस तक चार पद)**

(अ) प्राणी है यह सोचता ----------स्वाधीनता यंत्र का ।
(ब) देखे यद्यपि है आपार----------आकूल ज्ञानाम्बु से
(स) मेरे हो तुम बंधु----------जाओ अतः प्रात ही ।
(द) जैसे हो लघु वेदना----------वृद्ध – गोपेश का ।

8. रामनरेश त्रिपाठी– पथिक

संदर्भ ग्रंथ सूची –

1. संस्कृति के चार अध्याय – रामधारी सिंह 'दिनकर'
2. प्रिय प्रवास – अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध'
3. कविता कलाप – महावीर प्रसाद द्विवेदी
4. द्विवेदी काव्यमाला – महावीर प्रसाद द्विवेदी
5. काव्य मंजूषा – महावीर प्रसाद द्विवेदी
6. हिन्दी साहित्य का इतिहास – पंडित हजारी प्रसाद द्विवेदी
7. हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास – रामस्वरूप चतुर्वेदी

अंक विभाजन –

1. वस्तुनिष्ठ प्रश्न – 30 अंक
2. लघु उत्तरीय – 32 अंक
3. दीर्घ उत्तरीय 3 X 22 = 66 अंक
   कुल दो व्याख्यांश 2 X 11 = 22 अंक

} 88

साहित्य की विविध विधाओं और साहित्य से परिचित होंगे और लेखन अध्यापन, मीडिया इत्यादि में रोजगार की प्रचुरता रहेगी।

उच्च शिक्षा उत्कृष्टता संस्थान (आई• ई• एच• ई•),

बी•ए• (आनर्स): भाग.॥ सेमेस्टर : तृतीय

विषय : हिन्दी साहित्य प्रश्नपत्र : आनर्स -२ सहायक

अंक १५० सत्र २०२१-२२

- शीर्षक– राष्ट्रीय सांस्कृतिक काव्य एवं **छायावाद**

<u>पाठ्यक्रम</u>

राष्ट्रीय सांस्कृतिक काव्य-

१.काव्यधारा : राष्ट्रीय एवं सांस्कृतिक कविता के प्रमुख कवि राष्ट्रीय एवं सांस्कृतिक काव्यधारा का परिचय

माखनलाल चतुर्वेदी - हिमकिरीटनी, निःशस्त्र सेनानी

बालकृष्ण शर्मा 'नवीन' - कवि कुछ ऐसी तान सुनाओ, हम अनिकेतन

मैथिलीशरण गुप्त - यशोधरा, भरत का शोक

श्यामनारायण पांडेय - हल्दी घाटी

सुभद्राकुमारी चौहान - झाँसी की रानी

साहित्य के माध्यम से राष्ट्रीय और सांस्कृतिक वैभव से परिचय होगा तथा युवा पीढ़ी को इसके माध्यम से आगे बढ़ने के अवसर बनें।

छायावाद : सीमांकन, नामकरण तथा परिवेश-

२. छायावाद की सामान्य विशेषतायें:

छायावादी कवि और उनकी कवितायें:

i. जयशंकर प्रसाद - आशा सर्ग, बीती विभावरी जाग री

ii. सूर्यकांत त्रिपाठी निराला - सरोज स्मृति, भारति जय विजय करे

iii. सुमित्रानंदन पंत - भारतमाता ग्रामवासिनी,परिवर्तन

iv. महादेवी वर्मा - जाग तुझको दूर जाना,बीन भी हूँ मैं तुम्हारी रागिनी भी हूँ।

नोट : *पाठ्यक्रम में निर्धारित कवियों/रचनाओं का अध्ययन, कवियों/रचनाओं की साहित्यिक विशेषताओं का मूल्यांकन किया जायेगा । सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से व्याख्या तथा वस्तुनिष्ठ,लघुउत्तरीय एवं समीक्षात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे।*

अंक विभाजन –

1. वस्तुनिष्ठ प्रश्न – 30 अंक
2. लघु उत्तरीय – 32 अंक
3. दीर्घ उत्तरीय 3 X 22 = 66 अंक 88

कुल दो व्याख्यांश 2 X 11 = 22 अंक

Approved for the session 2019-20

उच्च शिक्षा उत्कृष्टता संस्थान भोपाल (आई.ई.एच. ई)

बी.ए. तृतीय V सेमेस्टर
विषय– हिन्दी विशिष्ट

ऑनर्स I
प्रश्नपत्र ऑनर्स–I

सत्र – 21 – 22

शीर्षक– नयी एवं समकालीन हिन्दी कविता –

पाठ्यक्रम

1. **नयी कविता की पृष्ठभूमि और उसकी प्रवृत्तियां–**
   (1) अज्ञेय – असाध्य वीणा
   (2) मुक्तिबोध – अंधेरे में (भाग एक)
   (3) नरेश मेहता –सर्वत्र
   (4) कुंवर नारायण – अबकी अगर लौटा तो
2. **समकालीन कविता की पृष्ठभूमि और उसकी प्रवृत्तियां**

   (5) रमेश चन्द्र शाह– शब्द बताओ
   (6) विनोद कुमार शुक्ल– जो शाश्वत प्रकृति है उसमें पहाड़ हैं
   (7) चन्द्रकान्त देवताले– कोणार्क
   (8) अनामिका– नमक

संदर्भ ग्रंथ–

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास – सं0 डा नगेंद्र
2. आंगन के पार द्वार स0 ही0 वात्स्यायन अज्ञेय
3. चांद का मुंह टेढ़ा है–ग0 मा0 मुक्तिबोध
4. उत्सवा –श्री नरेश मेहता, लोकभारती प्रकाशन इलाहाबाद
5. कुंवर नारायण, पचास कविताएं, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली
6. आधुनिक कवि रमेशचंद्र शाह, हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग
7. चन्द्रकान्त देवताले, प्रतिनिधि कविताएं, राजकमल प्रकाशन
8. अनामिका, पचास कविताएं, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली

अंक विभाजन – कुल अंक 150

1. वस्तुनिष्ठ प्रश्न – 30 अंक
2. लघु उत्तरीय – 32 अंक
3. दीर्घ उत्तरीय + व्याख्यांश – 88 अंक

उच्च शिक्षा उत्कृष्टता संस्थान (आई.ई.एच.ई.),भोपाल

सेमेस्टर : पंचम

बी.ए.(आनर्स) भाग iii

प्रश्नपत्र: ऑनर्स-ii / सहायक

विषय:हिंदी साहित्य

छायावादोत्तर हिंदी कविता सत्र- 21 –22

नोट: इस प्रश्नपत्र में छायावादोत्तर काव्य की प्रवृतियों एवं निर्धारित कवियों का अध्ययन किया जायेगा |

व्याख्या एवं समीक्षात्मक प्रश्न

1	1 -नागार्जुन 2-त्रिलोचन	यह तुम थी, बादल को घिरते देखा है नगई महरा, भीख मांगते उसी त्रिलोचन को देखा
2	1. केदारनाथ अग्रवाल 2. शमशेर बहादुर सिंह	हवा हूँ हवा हूँ वसन्ती हवा हूँ, मैंने उसको जब जब देखा एक पीली शाम, सौन्दर्य
3	1. गिरिजाकुमार माथुर 2. भवानीप्रसादमिश्र	छाया मत छूना मन गीत फरोश
4.	1- अज्ञेय 2- रघुवीर सहाय	नदीके द्वीप रामदास, आपकी हंसी
5	1. धूमिल 2. केदारनाथ सिंह	मोचीराम रात पिया पिछवाड़े, दो मिनट का मौन

संदर्भ ग्रन्थ-

1. हिंदीसाहित्य का वैज्ञानिक अध्ययन	-गणपति चन्द्रगुप्त (भाग 1, 2)
2. हिंदीसाहित्य काइतिहास	-डॉ.नगेन्द्र
3. आधुनिक हिंदी काव्य	-द्वारिका प्रसादसक्सेना
4. समकालीन काव्ययात्रा	-नंदकिशोर नवल
5. आधुनिक हिंदी कविता	-विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
6. समकालीन हिंदी कविता	-विश्वनाथ प्रसाद तिवारी

अंक विभाजन – कुल अंक 150

1. वस्तुनिष्ठ प्रश्न – 30 अंक
2. लघु उत्तरीय – 32 अंक
3. दीर्घ उत्तरीय 3 X 22 = 66 अंक

कुल दो व्याख्याश 2 X 11 = 22 अंक

उच्च शिक्षा उत्कृष्टता संस्थान (आई॰ ई॰ एच॰ ई॰),

बी॰ए॰ (आनर्स): भाग.I | सेमेस्टर : द्वितीय

विषय : हिन्दी साहित्य | प्रश्नपत्र : आनर्स-1

अंक - 150

शीर्षक – हिन्दी कथा साहित्य सत्र 2021 -22

पाठ्यक्रम

(क) **उपन्यासः** उपन्यास का स्वरूप, विकास और तत्व ।

1- गोदान- प्रेमचन्द

2- झांसी की रानी- वृन्दावन लाल वर्मा

(ख) **कहानीः** कहानी का स्वरूप, विकास एवं तत्व ।

1- एक टोकरी भर मिट्टी- माधवराव सप्रे

2- मंत्र - प्रेमचन्द

3- ताई - विश्वम्भर नाथ कौशिक

4- हार की जीत - सुदर्शन

5- गुण्डा - जयशंकर प्रसाद

6- न्याय - निराला

7- लाल पान की बेगम - फणीश्वर नाथ रेणु

8- बिखरे मोती - सुभद्रा कुमारी चौहान

9- पाजेब - जैनेन्द्र कुमार

10-गदल - रांगेय राघव

नोट : नोट- समस्त पाठ्यकम से वस्तुनिष्ठ, लघुउत्तरीय दीर्घ उत्तरीय एवं व्याख्या पूछी जायेगी ।

अंक विभाजन –

1. वस्तुनिष्ठ प्रश्न – 30 अंक
2. लघु उत्तरीय – 32 अंक
3. दीर्घ उत्तरीय 3 X 22 = 66 अंक 88

कुल दो व्याख्यांश 2 X 11 = 22 अंक

उच्च शिक्षा उत्कृष्टता संस्थान (आई॰ ई॰ एच॰ ई॰),

बी॰ए॰ (आनर्स): भाग.I

सेमेस्टर : द्वितीय

विषय : हिन्दी साहित्य

प्रश्नपत्र : आनर्स-2,सहायक

अंक - 150

शीर्षक –कहानी और उपन्यास की रचना प्रकिया २०२१-२०२२

पाठ्यक्रम

(क) उपन्यासः उपन्यास का उद्भव और विकास ।

1- त्यागपत्र- जैनेन्द्र कुमार
2- दुक्खम-सुक्खम- ममता कालिया

(ख) कहानीः कहानी का उद्भव और विकास, उसके विभिन्न रुप

1- परदा- यशपाल
2- चीफ की दावत - भीष्म साहनी
3- वापसी - उषा प्रियवंदा
4- जिन्दगी और जोंक- अमरकान्त
5- क्लाड ईथरली- मुक्तिबोध
6- मिठाईवाला - भगवती प्रसाद वाजपेयी
7- आर्द्रा - मोहन राकेश
8- नकली हीरे- मन्नू भंडारी
9- भूख- चित्रा मुद्गल
10- हम वैरागी जनम के- मालती जोशी
11- तीन किलो की छोकरी- मृदुला गर्ग

नोट- समस्त पाठ्यकम से वस्तुनिष्ठ, लघुउत्तरीय दीर्घ उत्तरीय एवं व्याख्या पूछी जायेगी । प्रश्न-पत्र 150 अंक का रहेगा ।

वस्तुनिष्ठ प्रश्न : 30

व्याख्यांश (दो) एवं दीर्घ उत्तरीयः 88 अंक

लघुउत्तरीय : 32 अंक

उच्च शिक्षा उत्कृष्टता संस्थान भोपाल (आई.ई.एच. ई)

बी.ए. द्वितीय IV सेमेस्टर — ऑनर्स I

विषय– हिन्दी विशिष्ट — प्रश्नपत्र ऑनर्स–I

शीर्षक– हिन्दी साहित्य– आधुनिक युगीन गद्य विधाएँ सत्र – 2021–22

पाठ्यक्रम

1. आधुनिक युग की विभिन्न गद्य विधाओं का परिचय ।

(1) रेखाचित्र	– लछमा	– महादेवी वर्मा
(2) रिपोर्ताज	– कुत्ते की आवाज	– फणीश्वर नाथ रेणु
(3) यात्रा वृतांत	– मांडव	– पं. रामनारायण उपाध्याय
(4) डायरी	– एक साहित्यिक की डायरी	– मुक्तिबोध
(5) आत्मकथा	– नीड़ का निर्माण फिर	–हरिवंश राय बच्चन
(6) संस्मरण	– असहयोग के मेरे साथी	– राहुल सांकृत्यायन

संदर्भ ग्रंथ–

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास – हजारी प्रसाद द्विवेदी, डॉ. नगेन्द्र
2. आधुनिक गद्य विधायें – माज़दा असद

अंक विभाजन –

1. वस्तुनिष्ठ प्रश्न – 30 अंक
2. लघु उत्तरीय – 32 अंक
3. दीर्घ उत्तरीय + व्याख्यांश – 88 अंक
   (तीन प्रश्न) (दो व्याख्यांश)

उच्च शिक्षा उत्कृष्टता संस्थान (आई॰ ई॰ एच॰ ई॰),

बी॰ए॰ (आनर्स): भाग.II | सेमेस्टर : चतुर्थ

विषय : हिन्दी साहित्य | प्रश्नपत्र : आनर्स दो,सहायक

अंक १५०

शीर्षक – नाटक,काव्य नाटक और एकांकी सत्र 2021- 22

पाठ्यक्रम

नाटक और एकांकी

१. हिन्दी नाटक - उद्भव और विकास

हिन्दी नाटक और नाटककार

१. अंधेर नगरी	-भारतेन्दु हरिश्चंद्र
२. ध्रुवस्वामिनी	-जयशंकर प्रसाद
३. अंधा युग	-धर्मवीर भारती
४. एक कंठ विषपायी	-दुष्यंत कुमार

२. हिन्दी एकांकी का उद्भव एवं विकास

निम्नालिखित एकांकी तथा एकांकीकारों का अध्ययन

१. रेशमी टाई	-डॉ. रामकुमार वर्मा
२. नये मेहमान	-उदयशंकर भट्ट
३. सूखी डाली	-उपेन्द्रनाथ अश्क
४. स्ट्राइक	-भुवनेश्वर
५. मकड़ी का जाला	-जगदीशचंद्र माथुर

नोट - समस्त पाठ्य सामग्री से व्याख्यांश,रचनाकार का परिचय, भाषा-शैली, नाट्यकला आधारित समीक्षात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे।

अंक विभाजन - कुल अंक	- १५० अंक		
वस्तु निष्ठ प्रश्न	- ३० अंक		
लघु उत्तरीय प्रश्न	- ३२ अंक		
दीर्घ उत्तरीय तीन प्रश्न एवं	- २२ अंक प्रति प्रश्न	}	८८ अंक
व्याख्यांश (कोई २)	- ११ अंक प्रति व्याख्यांश	}	

उच्च शिक्षा उत्कृष्टता संस्थान भोपाल (आई.ई.एच. ई)

बी.ए. तृतीय सेमेस्टर VI
विषय– हिन्दी विशिष्ट

प्रश्नपत्र ऑनर्स–I

सत्र 2021–2022

शीर्षक– काव्यशास्त्र और आलोचना –

पाठ्यक्रम

1. काव्य शास्त्र और समकालीन विमर्श
   (1) काव्य प्रयोजन
   (2) काव्य की आत्मा
   (3) रस सिद्धान्त, रस निष्पत्ति एवं साधारणीकरण
   (4) ध्वनि सिद्धान्त –आनन्दवर्धन, अभिनवगुप्त
   (5) नयी समीक्षा, स्त्री विमर्श, दलित विमर्श
2. हिन्दी आलोचना का विकास और प्रमुख आलोचक
   (1) रामचंद्र शुक्ल– तुलसी का भक्तिमार्ग 273प
   (2) नन्द दुलारे वाजपेयी– साहित्य की राष्टीय चेतना
   (3) डॉ नगेन्द्र –साधारणीकरण
   (4) रामविलास शर्मा – गीत (निराला)
   (5) नामवर सिंह –प्रथम रश्मि
   (6) विजय बहादुर सिंह– सामान्य जन का महाकवि : नागार्जुन
   (7) धनंजय वर्मा – रचना और आलोचना के रश्ते

संदर्भ ग्रंथ–

1. रस सिद्धान्त – डा नगेंद्र
2. चिन्तामणि –भाग एक– आचार्य रामचंद्र शुक्ल
3. रस सिद्धान्त : नये सन्दर्भ– आचार्य नन्द दुलारे वाजपेयी
4. निराला– रामविलास शर्मा
5. छायावाद– नामवर सिंह
6. नागार्जुन : अनभिजात का क्लासिक– विजय बहादुर सिंह
7. भारतीय काव्यशास्त्र –भगीरथ मिश्र
8. पाश्चात्य काव्यशास्त्र– तारकनाथ बाली
9. पाश्चात्य काव्यशास्त्र –विजय बहादुर सिंह
10 ओलचना की रचना यात्रा – धनंजय वर्मा
11 आलोचना के प्रतिमान – धनंजय वर्मा

अंक विभाजन – कुल अंक 150

1. वस्तुनिष्ठ प्रश्न – 30 अंक
2. लद्यु उत्तरीय – 32 अंक
3. दीर्घ उत्तरीय 3 X 22 = 66 अंक

कुल दो व्याख्यांश 2 X 11 = 22 अंक

उच्च शिक्षा उत्कृष्टता संस्थान (आई॰ ई॰ एच॰ ई॰),

बी॰ए॰ (आनर्स): भाग.III

सेमेस्टर : षष्ठ

विषय : हिन्दी साहित्य

ऑनर्स दो

सत्र 2021-22

प्रश्नपत्र : सहायक

शीर्षक – निबंध : विकास और आधुनिक विधाएँ

पाठ्यक्रम

हिन्दी निबंध की विकास यात्रा-

१.आचरण की सभ्यता- सरदार पूर्ण सिंह

२.मेघदूत - आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी

३.क्रोध - आचार्य रामचन्द्र शुक्ल

४.साहित्य जन मानस के हृदय का विकास है- बाल कृष्ण भट्ट

५.भारतीय संस्कृति की रूपरेखा- बाबू गुलाब राय

६.शिरीष के फूल - आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी

७.राम कृष्ण और शिव - डॉ. राम मनोहर लोहिया

८.संपाती के बेटे - कुबेरनाथ राय

९.कछुआ धर्म - चन्द्रधर शर्मा गुलेरी

१०.मेरे राम का मुकुट भीग रहा है- आचार्य विद्यानिवास मिश्र

- गद्य विधाएँ : आधुनिक गद्य विधाओं की विकास यात्रा -

निर्धारित रचनाएँ-

रिपोर्ताज : निर्मल वर्मा : सुलगती टहनी/चीड़ों पर चाँदनी

यात्रा-वृत्तांतः राहुल सांकृत्यायन - हिमालय में पहली बार

अन्य आधुनिक गद्य विधाओं का परिचय- रेखाचित्र, आत्मकथा, जीवनी, डायरी, साक्षात्कार, पत्र-साहित्य,।

अंक विभाजन - कुल अंक - १५०

१. वस्तुनिष्ठ प्रश्न - ३० अंक

२. लघु उत्तरीय प्रश्न - ३२ अंक

३. दीर्घउत्तरीय प्रश्न - ८८ अंक

नोट - *समस्त पाठ्यक्रम में से वस्तुनिष्ठ, लघुउत्तरीय, समीक्षात्मक/आलोचनात्मक एवं व्याख्या आधारित प्रश्न पूछे जायेंगे*

संदर्भ ग्रंथ सूची-

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास - डॉ. नगेन्द्र
2. हिन्दी साहित्य का इतिहास - आ.रामचन्द्र शुक्ल
3. हिन्दी साहित्य का इतिहास - डॉ. गणपति चन्द्र गुप्त
4. गद्य की विधाएँ - डॉ. माजदा असद
5. साहित्य सहचर - आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी

उच्च शिक्षा उत्कृष्टता संस्थान (आई॰ ई॰ एच॰ ई॰)

हिन्दी साहित्य

एम.ए. पूर्वार्द्ध

प्रथम प्रश्न पत्र – प्रथम सेमेस्टर सत्र 2021–22

प्राचीन काव्य

पाठ्य विषय :

1. (क) हिन्दी साहित्य का आरंभ, प्रथम कवि, प्रथम रचना, सीमांकन, नामकरण परिवेश, राजनीतिक, आर्थिक, सामाजिक स्थिति, सांस्कृतिक परिस्थितियाँ, अपभ्रंश कालःपृष्ठभूमि और प्रभाव।
   (ख) सिद्ध साहित्य : सरहपा, शबरपा, लुइपा, डोम्भिपा, जैन साहित्यः श्रावकाचार, भरतेश्वर–बाहुबली रास, नाथ साहित्यः गोरखनाथ,
   (ग) रासो साहित्यः पृथ्वीराज रासो।
   (घ) लौकिक साहित्यः परिचय, अमीर खुसरो।
   (च) काव्य एवं शिल्प।

2. विद्यापति के पद –
   1. नन्द क नन्दन .....
   2. जहाँ जहाँ पग–जुग ....
   3. तनु भेल जर जर ...
   4. आएल ऋतुपति ...
   5. अनुखन माधव माधव ...
   6. उगना रे मोर कतए ....

3. पृथ्वीराज राठौर – बेलि क्रिसन री रूक्मणी, सं. आनन्द प्रकाश दीक्षित
4. चन्दवरदायी – पृथ्वीराज रासो, आदि पर्व। संपा. आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
5. जायसी – पद्मावतः सिंहल दीप वर्णन, नागमती विरह। जायसी का पद्मावत – वासुदेवशरण अग्रवाल
6. अमीर खुसरो के चार पद, दस दोहे, मुकरियाँ – पहेलियाँ चार पद –
   1. छाप तिलक सब छीनी रे मोसे नैना मिलाइक
   2. बहुत कठिन है डगर पनघट की
   3. आ घिर आई दई मारी घटा कारी। बन बोलन लागे मोर
   4. ऐ री सखी मोरे पिया घर आए

दस दोहे

1. रैनी चढ़ी रसूल की सो रंग मौला के हाथ
2. खुसरो बाजी प्रेम की मैं खेलूँ पी के संग
3. चकवा चकवी दो जने इन मत मारो कोय
4. खुसरो ऐसी पीत कर जैसे हिन्दू जोय
5.
6. खुसरवा दर इश्क बाजी कम जि हिन्दू जन मावाश
7. उज्जवल बरन अधीन तन एक चित्त दो ध्यान
8. श्याम सेत गोरी लिए जनमत भई अनीत
9. पंखा होकर मैं डुली, साती तेरा चाव
10. नदी किनरो मैं खड़ी सो पानी झिलमिल होय

11. सजन ये मत जानियो तोहे बिछड़त मोहेको चैन

पहेलियाँ

1. तरवर से इक तिरिया उतरी उसने बहुत रिझाया
2. फारसी बोली आईना
3. बीसों का सर काट लिया ना मारा ना खून किया।
4. एक गुनी ने ये गुन कीना, हरियल पिंजरे में दे दीना।
5. एक परख है सुंदर मूरत, जो देखे वो उसी की सूरत।

उलटबाँसियाँ

1. भार भुजावन हम गए, पल्ले बाँधी ऊन
2. काफी फूफा घर में हैं कि नायं, नायं तो नन्देऊ
3. खीर पकाई जतन से ओर चरखा दिया जलाय
4. भैंस चढ़ बबूल पर और लपलप गूलर खाय
5. पीपल पकी पपेलियाँ, झड़ झड़ पड़े हैं बेर

नोट– समस्त पाठ्यक्रम से वस्तुनिष्ठ, लघुउत्तरीय दीर्घ उत्तरीय एवं व्याख्या पूछी जायेगी।
अंक विभाजन – उ.शि.उ.सं. के परीक्षा अध्यादेश अनुसा।
संन्दर्भ ग्रंथ सूची–

अंक विभाजन –

1. वस्तुनिष्ट प्रश्न 10 X 1 – 10 अंक
2. लघु उत्तरीय 4 X 5 – 20 अंक
3. दीर्घ उत्तरीय 2 X 10 = 20 अंक
4. कुल दो व्याख्यांश 2 X 10 = 20 अंक

उच्च शिक्षा उत्कृष्टता संस्थान (आई॰ ई॰ एच॰ ई॰)

हिन्दी साहित्य

एम.ए. पूर्वार्द्ध, प्रथम सेमेस्टर सत्र 2021–22

द्वितीय प्रश्न पत्र

भारतीय काव्यशास्त्र एवं साहित्य सिद्धान्त

1. संस्कृत काव्य शास्त्रः काव्य–लक्षण, काव्य–हेतु, काव्य–प्रयोजन, काव्य के प्रकार।
2. रस सिद्धांतः रस का स्वरूप, रस–निष्पत्ति, रस के अंग, साधारणीकरण, धारणा।
3. अलंकार–सिद्धान्तः मूल स्थापनाएं, अलंकारों का वर्गीकरण।
4. रीति–सिद्धांत रीति की अवधारणा, काव्य–गुण, रीति एवं शैली, रीति सिद्धांत की प्रमुख स्थापनाएं।
5. वक्रोक्ति–सिद्धान्तः वक्रोक्ति की अवधारणा, वक्रोक्ति के भेद, वक्रोक्ति एवं अभिव्यंजनावाद।
6. ध्वनि–सिद्धान्तः ध्वनि का स्वरूप, ध्वनि–सिद्धांन्त की प्रमुख स्थापनाएं, ध्वनि काव्य के प्रमुख भेद, गुणीभूत–व्यंग्य चित्र–काव्य।
7. औचित्य–सिद्धान्तः प्रमुख स्थापनाएं, औचित्य के भेद

(क) हिन्दी आलेचना की प्रमुख प्रवृत्तियाँ, ऐतिहासक, तुलनात्मक, मनोविश्लेषणवादी, रूपवादी, समाजशास्त्रीय।

(ख) हिन्दी आलोचना का उद्‌भव और विकास तथा हिन्दी के प्रमुख आलोचक :–

1. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
2. आचार्य नन्द दुलारे वाजपेयी
3. आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
4. डॉ. नगेन्द्र
5. डॉ. रामविलास शर्मा
6. डॉ. नामवर सिंह

नोट – समस्त पाठ्यक्रम से वस्तुनिष्ठ, लघुउत्तरीय दीर्घ उत्तरीय एवं व्याख्या पूछी जायेगी।

अंक विभाजन – उ.शि.उ.सं. के परीक्षा अध्यादेश अनुसा।

संन्दर्भ ग्रंथ सूची –

अंक विभाजन –

1. वस्तुनिष्ट प्रश्न 10 X 1 – 10 अंक
2. लद्यु उत्तरीय 4 X 5 – 20 अंक
3. दीर्घ उत्तरीय 4 X 10 = 40 अंक

उच्च शिक्षा उत्कृष्टता संस्थान (आई॰ ई॰ एच॰ ई॰)

एम.ए. पूर्वार्द्ध, हिन्दी साहित्य सत्र 2021–22
प्रथम सेमेस्टर तृतीय प्रश्नपत्र
हिन्दी साहित्य का इतिहास

इतिहास–दर्शन और साहित्येतिहास। हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की परंपरा, आधारभूत सामग्री और साहित्येतिहास के पुनर्लेखन की समस्याएं। हिन्दी साहित्य का इतिहासः काल विभाजन, सीमा–निर्धारण और नामकरण।

हिन्दी साहित्य के आदिकाल का ऐतिहासिक परिदृश्य, साहित्यिक प्रवृत्तियां, काव्यधाराएं, प्रतिनिधि रचनाकार और उनकी रचनाएं।

पूर्व मध्यकालः भक्तिकाल की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, सांस्कृतिक–चेतना एवं भक्ति–आंदोलन, विभिन्न काव्यधाराएं तथा उनका वैशिष्ट्य। प्रमुख निर्गुण संत कवि और उनका अवदान। भारत में सूफी मत का विकास तथा प्रमुख सूफी कवि और काव्य ग्रंथ, सूफी काव्य में भारतीय संस्कृति और लोकजीवन के तत्व। राम और कृष्ण काव्यः रामकृष्ण काव्येतर काव्य, इतर काव्य, प्रमुख कवि और उनका रचनागत वैशिष्ट्य।

उत्तर मध्यकाल की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, काल निर्धारण और नामकरण, दरबारी संस्कृति और लक्षण ग्रंथों की परंपरा। रीतिकालीन साहित्य की विभिन्न धाराएं, प्रवृत्तियां और विशेषताएं। प्रतिनिधि रचनाकार रचनाएं। रीतिकालीन गद्य साहित्य।

आधुनिक काल की राजनीकि, सामाजिक, आर्थिक, धार्मिक और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि। सन् 1857 की राजक्रान्ति और पुनर्जागरण।

भारतेन्दु युगः प्रमुख साहित्यकार, रचनाएं, हिन्दी गद्य की प्रमुख विधाओं कहानी, उपन्यास, नाटक निबंध संस्मरण रेखाचित्र, जीवनी आत्मकथा, रिपोर्ताज आदि का विकास।

नोट – समस्त पाठ्यक्रम से वस्तुनिष्ठ, लघुउत्तरीय दीर्घ उत्तरीय एवं व्याख्या पूछी जायेगी।

अंक विभाजन – उ.शि.उ.सं. के परीक्षा अध्यादेश अनुसा।

संन्दर्भ ग्रंथ सूची

अंक विभाजन –

1. वस्तुनिष्ट प्रश्न 10 X 1 – 10 अंक
2. लघु उत्तरीय 4 X 5 – 20 अंक
3. दीर्घ उत्तरीय 4 X 10 = 40 अंक

उच्च शिक्षा उत्कृष्टता संस्थान (आई॰ ई॰ एच॰ ई॰)

हिन्दी साहित्य
एम.ए. पूर्वार्द्ध, प्रथम सेमेस्टर सत्र 2021–22
चुतर्थ प्रश्न पत्र
काव्य–नाट्य और रंगमंच, एकांकी

1. काव्य नाटक का उद्भव एवं विकास
2. भारतीय रंगमंच का उद्भव एवं विकास
3. काव्य नाटक –

भारतेन्दु	श्री चन्द्रावली
सेठ गोविन्ददास	स्नेह या स्वर्ग
हरिकृष्ण प्रेमी	मातृमन्दिर
धर्मवीर भारती	अंधायुग
नरेश मेहता	महाप्रस्थान
कुंवर नारायण	आत्मजयी
कमलेश्वर	लहर लौट गयी
दुष्यन्त कुमार	एक कंठ विषपायी
भारतभूषण अग्रवाल	अग्निलीक

4. एकांकी का उद्भव और विकास
5. एकांकियाँ

भुवनेश्वर	ताँबे के कीड़े
मोहन राकेश	अंडे के छिलके

नोट – समस्त पाठ्यक्रम से वस्तुनिष्ठ, लघुउत्तरीय दीर्घ उत्तरीय एवं व्याख्या पूछी जायेगी।
अंक विभाजन – उ.शि.उ.सं. के परीक्षा अध्यादेश अनुसा।

अंक विभाजन –

1. वस्तुनिष्ट प्रश्न 10 X 1	– 10 अंक
2. लघु उत्तरीय 4 X 5	– 20 अंक
3. दीर्घ उत्तरीय 2 X 10	= 20 अंक
4. कुल दो व्याख्यांश 2 X 10	= 20 अंक

उच्च शिक्षा उत्कृष्टता संस्थान (आई॰ ई॰ एच॰ ई॰)

हिन्दी साहित्य

एम.ए. पूर्वार्द्ध, द्वितीय सेमेस्टर सत्र 2021–22

पंचम प्रश्न पत्र

भक्तिकाल

पाठ्य विषय

1. सीमांकन, परिवेश, परिस्थितियाँ, भक्ति आंदोलन,वर्गीकरण, भक्ति काव्य और लौकिक साहित्य। निर्गुण भक्तिः संतकाव्य सामान्य प्रवृत्तियाँ, सगुण भक्तिः वैष्णव भक्ति का उदय, राम और कृष्ण काव्य परंपरा। अष्टछाप के कवि। भक्तिकाल की अन्य प्रवृत्तियाँ भक्तिकाल की उपलब्धियां।
2. कबीर – कबीर ग्रंथावलीः सम्पाःश्यामसुन्दर दास
   पद – बीस, साखियाँ – तीस

पद

- मोको कहा ढूंढ, तू बन्दे
- माया कहा ठगिनी हम जानी
- घूंघट का पद खेल रे तोको पिया मिलंगे
- मन लाग्यो मेरो यार फकीरी में
- तूने रात गंवायी सोय के दिवस गंवाया खाय के
- केहि समुझावौ सब जग अन्धा
- झीनी बीनी चदरिया
- भजो रे भैया राम गोविन्द हरी
- करम गति टारै नाहिं टरी
- राम बिनु तन को ताप न जाई
- नैया पड़ी मंझधार गुरू बिन कैसे लगे पार
- बीत गये दिन भजन बिना रे
- तेरा मेरा मनुवां कैसे एक होई रे
- हमन है इश्क मस्ताना, हमन को होशियारी क्या
- रहना नहिं देस बिराना है
- मन मस्त हुआ तब क्यों बोलै
- काहे री नलिनी तू कुमिलानी
- पानी बिच मीन पियासी रे
- साधे देखो तग बौराना
- मन लाग्यो मेरो यार फकीरी में

सखियां–कबीर

गुरूदेव को अंग

- सतगुरू सांचाँ सूरिवाँ ... कलेजै छेक।
- पास पकड़या ..... खेलै दास गबीर
- जाका गुरू है आंधला ... दोनों कूप परंत।
- सतगुरू बपुरा क्या करै ... बंसि बजाई फूक।
- सतगुरू मिल्या त का ... बिचारी चोले

सुमिरन को अंग

- कबीर सुमिरण सार है .... दूजा देख्यौ काल
- तूँ तूँ करता तूँ भया .... जित देखौ तित तूँ
- जिहि घटि प्रीति न प्रेम रस ..... उपजी षये बेकाम
- जिहिं हरि जैसा जाणियाँ ..... उपजी धसैं न आम
- भगति भजन हरि नाव है ..... कबीर सुमिरण सार

बिरह को अंग

- कबीर देखत दिन गया ... जिरा तलपै भाइ
- आँखड़िया झाई पड़ै ..... राम पुकारि पुकारि
- बिरह भुअंगम तन ... जीवै त बौरा होई
- सुखिया सब संसार है ..... जागे अरू रोवै
- सब रग तंत रवाव .... कै साई के चित्त

ग्यान विरह को अंग –

- हिरदा भीतरि दौर बले ... के जिह लाई सोइ
- समन्दर लागी आगि ..... मछि रूष चढ़ि गई
- अहेड़ी दौ लाइया ..... दाझत है बन सोइ

परचा को अंग

- पार ब्रहम के तेज का ... देख्याहि परवान
- अन्तर कमल प्रकासिया ..... जागैगा जन कोई
- कबीर मन मधुकर भया.... जो देखे निज दास

रस को अंग

- कबीर भाठी कलाल की ..... पिया न जाई

चेतावणी को अंग

- कबीर नौबति आपणी ..... बहुरि न देखै आई
- हाड़ जरै ज्यों लकड़ी ..... भया कबीर उदास
- कबीर कहा गरबियों ..... कै घर कै परदेस

माया को अंग

- कबीर माया पापिनी ..... गया कबीर काटि
- तृणा सीची न बुझे .... .. घट नेहा कुम्लिाई
- माया मुई न मन मुआ ..... यो हि गया कबीर

उपदेश को अंग

- ऐसी बानी बोलिऐ आपहु सीतल होई

जायसी : पद्मावत – सं. वासुदेवशरण अग्रवाल

- सिंहल द्वीप वर्णन खण्ड
- नागमति वियोग खण्ड

तुलसीदासः रामचरितमानस, गीता प्रेस, अरण्य काण्ड सम्पूर्ण।

सूरदासः भ्रमरगीत सार, संपा. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल पद संख्या (छब्बीस पद)

- पथिक सँदेसों कहियों जाय
- हम सो कहत कौन की बातें
- हम तो नन्द घोष की बासी
- जोग ठागौरी ब्रज न बिकैहै
- आयो जोग सिखावन पाड़े
- बिलग जनि मानहु उधो प्यारे
- निरगुन कौन देस को बासी
- बिन गोपाल बैरनि भई कुंजै
- संदेसनि मधुबन कूप भर
- अति मलीन वृषभानु कुमारी
- आयो घोष बड़ो व्यापार
- अपनो स्वारथ को सब कोउ
- अखियाँ हरि दरसन की भूखी
- हमारे हरि हारिल की लकरी
- उधो इतना कहियो जाय
- उधो अखियाँ अति अनुरागी
- हमको सपनेहू में सोच
- मधुकर न जोग होत संदेसन
- निसदिन बरसत नैन हमारे
- सब जल तजे प्रेम के नाते
- कहत कत परदेसी की बात
- सँदेसो देवकी सो कहियो
- हरि सो आयो सो भली कीनी
- मधुवन कत तुम रहत हरे
- उधो मोहि ब्रज बिसरत नाहीं
- कर कंकन तें भुज टाँड भई

रहीम के दोहे (बीस) :

- जो बडेन को लघु कहें .... कछु दुख मानति नाहिं
- रहिमन चुप है बैठिए .... बनत न लगिहै बेर
- अब रहीम मुसकिल पड़ी ..... झूठे मिले न राम
- ओछो काम बड़े ..... गिरधर कहै न कोइ
- कहि रहीम संपति सगे ..... तेही साँचे मत
- कहु रहीम कैसे निभै ..... उनके फाटत अंग
- खीरा सिर ते काटिये ..... चहिअत इहै सजाय
- खैर खून खाँसी खुसी ..... जानत सकल जहान
- चाह गई चिन्ता मिटी ..... वे साहन के साह
- छिमा बड़न को चाहिए ..... जो भृगु मारी लात
- जो रहीम ओछो बढ़ै ..... टेढ़ो टेढ़ो जाय

- तरूवर फल नहि खात है .... सम्पति संचहि सुजान
- दीरघ दोहा अरथ के ..... सिमिटि कद चढ़ि जांहि
- देन हार कौउ और है ..... याते नीचै नैन
- दोनों रहीमन एक से ..... रितु बसंत के माहि
- पावस देखि रहीम मन ..... हमको पूछत कौन
- बड़े बड़ाई ना करै ..... लख टका मेरा मोल
- बिगरी बात बने नहीं ..... मथे न माखन होय
- ये रहीम दर दर फिरै ..... वे रहीम अब नाहि
- रहिमन अँसुआ नैन ढरि ..... कस न भेद कहि देय

संदर्भ ग्रंथः

1. सूर साहित्य, रामचन्द्र शुक्ल नागरी प्रचारिणी सभा वाराणसी।
2. सूर साहित्य, हजारी प्रसाद द्विवेदी राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
महाकवि सूरदास, नन्ददुलारे वाजपेयी राजकमल प्रकाशन दिल्ली।

अंक विभाजन –

1. वस्तुनिष्ट प्रश्न 10 X 1	– 10 अंक
2. लघु उत्तरीय 4 X 5	– 20 अंक
3. दीर्घ उत्तरीय 2 X 10	= 20 अंक
4. कुल दो व्याख्यांश 2 X 10	= 20 अंक

उच्च शिक्षा उत्कृष्टता संस्थान (आई॰ ई॰ एच॰ ई॰)

हिन्दी साहित्य

एम.ए. पूर्वार्द्ध, द्वितीय सेमेस्टर सत्र 2021–22

षष्ठ–प्रश्न पत्र

पाश्चात्य काव्यशास्त्र

पाश्चात्य काव्य शास्त्र

1. प्लेटो : काव्य सिद्धांत
2. अरस्तु अनुकरण सिद्धान्त, विरेचन सिद्वांत
3. लोंजाइनसः उदात्त की अवधारणा
4. टी एस इलियटः परंपरा की कल्पना और वैयक्तिक प्रज्ञा, निवैयक्तिकता का सिद्धांत, कविता का वस्तुनिष्ट सिद्धांत, संवेदनशीलता का असाहचर्य।
5. आई.ए. रिचर्डसः रागात्मक अर्थ, संवेगों का संतुलन, व्यवहारिक आलोचना।
6. कालरिज – फेन्सी
7. सिद्धांत और वादः स्वच्छन्दतावाद, अभिव्यंजनावाद, मार्क्सवाद, मनोविश्लेषण तथा अस्तित्ववाद।
8. आधुनिक समीक्षा की विशिष्ट प्रवृत्तियां ऐतिहासिक, तुलनात्मक, मनोविश्लेष्णवादी, रूपवादी और समाज शास्त्रीय।
9. नई समीक्षाः संरचनावाद, उत्तर संरचनावाद, उत्तर आधुनिकता, विखंडनवाद, बहुसंस्कृतिवाद।

नोट – समस्त पाठ्यक्रम से वस्तुनिष्ठ, लघुउत्तरीय दीर्घ उत्तरीय एवं व्याख्या पूछी जायेगी।
अंक विभाजन – उ.शि.उ.सं. के परीक्षा अध्यादेश अनुसा।

अंक विभाजन –

1. वस्तुनिष्ट प्रश्न 10 X 1 – 10 अंक
2. लद्यु उत्तरीय 4 X 5 – 20 अंक
3. दीर्घ उत्तरीय 4 X 10 = 40 अंक

उच्च शिक्षा उत्कृष्टता संस्थान (आई॰ ई॰ एच॰ ई॰)

हिन्दी साहित्य

एम.ए. पूर्वार्द्ध, द्वितीय सेमेस्टर   सत्र 2021–22

सप्तम प्रश्न पत्र – प्रयोजनमूलक हिन्दी

खंड अ

कामकाजी हिन्दी

- हिन्दी के विभिन्न रूप – सर्जनात्मक भाषा, संचार भाषा, राजभाषा, माध्यम भाषा, मातृभाषा।
- कार्यालयीन हिन्दी (राजभाषा) के प्रमुख प्रकार्य : प्रारूपण, पत्र लेखन, संक्षेपण, पल्लवन, टिप्पण।
- पारिभाषिक शब्दावली – स्वरूप एवं महत्व, पारिभाषिक शब्दावली–निर्माण के सिद्धांत।
- ज्ञान–विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों की पारिभाषिक शब्दावली (निर्धारित शब्द)।

हिन्दी कम्प्यूटिंग

- कम्प्यूटर – परिचय, रूपरेखा, उपयोग तथा क्षेत्र, वेब पब्लिशिंग का परिचय।
- इंटरनेट संपर्क उपकरणों का परिचय, प्रकार्यात्मक रख–रखाव एवं इंटरनेट, समय–मितव्ययता के सूत्र।
- वेब–पब्लिशिंग।
- इंटरनेट एक्सप्लोरर, गूगल क्रोम, मोज़ायला फायरफाक्स ऑपेरा मिनि आदि।
- लिंक, ब्राउज़िंग, ई–मेल भेजना / प्राप्त करना, हिन्दी के प्रमुख इंटरनेट पोर्टल, डाउनलोडिंग व अपलोडिंग, हिन्दी सॉफ्टवेयर पैकेज।

खंड ब – पत्रकारिता

- पत्रकारिता – स्वरूप एवं विभिन्न प्रकार।
- हिन्दी पत्रकारिता का संक्षिप्त इतिहास।
- समाचार लेखन–कला।
- संपादन के आधारभूत तत्व।
- व्यावहारिक प्रूफ शोधन।
- शीर्षक की संरचना, लीड, इंट्रो एवं शीर्षक–संपादन।
- संपादकीय–लेखन
- पृष्ठ –सज्जा।
- साक्षात्कार, पत्रकार वार्ता एवं प्रेस प्रबंधन।
- प्रमुख प्रेस कानून एवं आचार संहिता।

खंड स – मीडिया लेखन

- जनसंचार : प्रौद्योगिकी एवं चुनौतियाँ।
- विभिन्न जनसंचार माध्यमों का स्वरूप – मुद्रण, श्रव्य, दृश्य–श्रव्य, इंटरनेट।
- श्रव्य माध्यम (रेडियो) – मौखिक भाषा की प्रकृति।
- समाचार–लेखन एवं वाचन।
- रेडियो नाटक, उद्घोषणा, लेखन, विज्ञापन लेखन, फीचर [illegible] रिपोर्ताज।

- दृश्य–श्रव्य माध्यम (फिल्म, टेलीविज़न एवं वीडियो) दृश्य माध्यमों में भाषा की प्रकृति। दृश्य एवं श्रव्य सामग्री का सामंजस्य। पार्श्व वाचन (वॉयस ओवर)। पटकथा लेखन, टेली ड्रामा / डॉक्यू ड्रामा, संवाद लेखन। साहित्य की विधाओं का दृश्य माध्यमों में रूपांतरण। विज्ञापन की भाषा।
- इंटरनेट : सामग्री सृजन।

नोट – समस्त पाठ्यक्रम से वस्तुनिष्ठ, लघुउत्तरीय दीर्घ उत्तरीय एवं व्याख्या पूछी जायेगी।
अंक विभाजन – उ.शि.उ.सं. के परीक्षा अध्यादेश अनुसा।

संन्दर्भ ग्रंथ सूची

1.	कामकाजी हिन्दी	डॉ. कैलाशचंद्र भाटिया
2.	प्रयोजनमूलक हिन्दी	डॉ. दंगल झाल्टे
3.	प्रयोजनमूलक हिन्दी	डॉ. रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव
4.	सरकारी कार्यालयों में हिन्दी का प्रयोग	गोपीनाथ श्रीवास्तव
5.	प्रशासनिक हिन्दी निपुणता	हरिबाबू केसल
6.	आवेदन प्रारूप	डॉ. एस.एन. चतुर्वेदी
7.	हिन्दी पत्रकारिता : विविध आयाम	संपा. वेदप्रताप वैदिक
8.	हिन्दी समाचार पत्रों का इतिहास	अंबिकाप्रसाद वाजपेयी
9.	संपादन कला	के.पी. नारायण
10.	पत्रकार कला	विष्णुदत्त शुक्ल
11.	आधुनिक जनसंचार और हिन्दी	डॉ. हरिमोहन
12.	दूरदर्शन की भूमिका	सुधीश पचौरी

अंक विभाजन –

1. वस्तुनिष्ट प्रश्न 10 X 1	– 10 अंक
2. लघु उत्तरीय 4 X 5	– 20 अंक
3. दीर्घ उत्तरीय 4 X 10	= 40 अंक

उच्च शिक्षा उत्कृष्टता संस्थान (आई॰ ई॰ एच॰ ई॰)

एम.ए. पूर्वार्द्ध, हिन्दी साहित्य
द्वितीय सेमेस्टर, अष्टम प्रश्न पत्र सत्र 2021–22
कथा साहित्य : कहानी, उपन्यास एवं लघुकथा

क. उपन्यास का उद्भव एवं विकास
उपन्यास :

• प्रेमचन्द	रंगभूमि
• हजारी प्रसाद द्विवेदी	बाण भट्ट की आत्मकथा
• अज्ञेय	शेखर एक जीवनी
• गोविन्द मिश्र	पांच आंगनवाला घर
• वृन्दावन लाल वर्मा	मृगनयनी
• अमृतलाल नागर	मानस का हंस
• मन्नू भण्डारी	महाभोज

ख. कहानी का उद्भव और विकास
कहानीकार एवं उनकी कहानियाँ :

• निर्मल वर्मा	परिन्दे
• सूर्यवाला प्याली भर चाँद	
• धर्मवीर भारती	गुलकी बन्नो
• ज्ञान रंजन	शेष होते हुए
• अमरकांत	डिप्टी कलेक्टरी
• ज्योत्षना मिलन	बा

लघु कथा संक्षिप्त परिचय :

आलोक : समस्त पाठ्यक्रम से वस्तुनिष्ठ, लघुउत्तरीय दीर्घ उत्तरीय एवं समीक्षात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे। कहानी एवं उपन्यास से व्याख्या भी पछी जायेगी। **अंक विभाजन** – उ.शि.उ.सं. के परीक्षा अध्यादेश अनुसार।

अंक विभाजन –

1. वस्तुनिष्ट प्रश्न 10 X 1	– 10 अंक
2. लघु उत्तरीय 4 X 5	– 20 अंक
3. दीर्घ उत्तरीय 2 X 10	= 20 अंक
4. कुल दो व्याख्यांश 2 X 10	= 20 अंक

उच्च शिक्षा उत्कृष्टता संस्थान (आई॰ ई॰ एच॰ ई॰),

एम.ए. उत्तरार्ध | सेमेस्टर : तृतीय

विषय : हिन्दी साहित्य | प्रश्नपत्र : प्रथम

सत्र 2021- 22 | अंक - 70

प्रश्न पत्र का शीर्षक – आधुनिक हिन्दी काव्य और उसका इतिहास

पाठ्यक्रम

1 मैथिलीशरण गुप्त – साकेत का नवम् मार्ग।
जयशंकर प्रसाद – कामायनीः चिंता, श्रद्धा, इड़ा सर्ग।

2 मैथिलीशरण गुप्त से संबंधित समीक्षात्मक प्रश्न।

3 जयशंकर प्रसाद से संबंधित समीक्षात्मक प्रश्न।

4 आधुनिक हिन्दी काव्य (छायावाद तक) की प्रमुख प्रवृत्तियां।

5 द्रुत पाठ के निर्धारित कवि जगन्नाथ दास रत्नाकर, अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध' महादेवी वर्मा और बाल कृष्ण शर्मा 'नवीन'।

नोटः समग्र पाठयक्रम से लघुउत्तरीय एवं दीर्घउत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे।

प्रश्न अंक	–योग 70
लघु उत्तरीय	– 5×4 = 20
दीर्घ उत्तरीय – एवं व्याख्या	– 10× 2 = 20 – 10× 2 = 20
वस्तुनिष्ठ प्रश्न	– 10× 1 = 10

उच्च शिक्षा उत्कृष्टता संस्थान (आई॰ ई॰ एच॰ ई॰),

एम.ए. उत्तरार्ध : सेमेस्टर : तृतीय :

विषय : हिन्दी साहित्य प्रश्नपत्र :द्वितीय

सत्र 2021- 22 अंक - 70

प्रश्न पत्र का शीर्षक – भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा

पाठ्यक्रम

1 भाषा और भाषा विज्ञान – भाषा की परिभाषा और अभिलक्षण, भाषा व्यवस्था और भाषा व्यवहार, भाषा संरचना और भाषिक प्रकार्य, भाषा विज्ञान स्वरूप एवं व्यप्ति अध्ययन की दिशाएं – वर्णनात्मक, ऐतिहासिक और तुलनात्मक।

2 स्वन प्रक्रिया – स्वरूप और शाखाऐं, वागयंत्र और उनके कार्य, स्वनिम की अवधारणा स्वनों का वर्गीकरण, स्वन गुण, स्वनिक–परिवर्तन।

3 व्याकरण–रूप विज्ञान का स्वरूप, रूपिम की अवधारणा।
वाक्य की अवधारणा – वाक्य के भेद – वाक्य–विश्लेषण–निकटस्थ अवयय विश्लेषण गहन संरचना और बाह्य।

4 अर्थ विज्ञान–अर्थ की अवधारणा। शब्द और अर्थ का संबंध। अर्थ प्राप्ति के साधन और अर्थ परिवर्तन।

5 साहित्य और भाषा विज्ञान – साहित्य में अध्ययन में भाषा विज्ञान के अंगों की उपयोगिता।

नोटः समग्र पाठयक्रम से लघुउत्तरीय एवं दीर्घउत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे।

प्रश्न अंक	–योग 70
लघु उत्तरीय	– 5×4 = 20
दीर्घ उत्तरीय	– 10× 4 = 40
वस्तुनिष्ठ प्रश्न	– 10× 1 = 10

उच्च शिक्षा उत्कृष्टता संस्थान (आई॰ ई॰ एच॰ ई॰),

एम.ए. उत्तरार्ध | सेमेस्टर : तृतीय

विषय : हिन्दी साहित्य | प्रश्नपत्र : तृतीय

सत्र 2021- 22 | अंक - 70

प्रश्न पत्र का शीर्षक – हिन्दी साहित्य का इतिहास

पाठ्यक्रम

1 हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की परम्परा और साहित्येतिहास के पुनर्लेखन की समस्याएँ।

2 हिन्दी साहित्य के आदिकाल की पृष्ठ भूमि, साहित्यिक प्रवृत्तियाँ, काव्य धाराएँ, गद्य साहित्य, प्रतिनिधि रचनाकार और इनकी रचनाएँ।

3 पूर्व मध्यकाल, भक्तिकाल की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, सांस्कृतिक चेतना एवं भक्ति आंदोलन, विभिन्न काव्य धाराएं तथा उनका विश्लेषण, प्रमुख निर्गुण सन्त कवि और प्रमुख सूफी कवियों का अवदान।

4 राम और कृष्ण काव्य : प्रमुख कवि और उनका रचनागत वैशिष्टय।

5 उत्तर मध्यकाल रीतिकाल की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, काल सीमा और नामकरण, विविध धाराएं, रीति बद्ध, रीतिमुक्त प्रवृत्तियाँ और विशेषताएँ।

नोटः समग्र पाठयक्रम से लघुउत्तरीय एवं दीर्घउत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे।

प्रश्न अंक	–योग 70
लघु उत्तरीय	– 5×4 = 20
दीर्घ उत्तरीय	– 10× 4 = 40
वस्तुनिष्ठ प्रश्न	– 10× 1 = 10

उच्च शिक्षा उत्कृष्टता संस्थान (आई॰ ई॰ एच॰ ई॰),

एम.ए. उत्तरार्ध

सेमेस्टर : तृतीय

विषय : हिन्दी साहित्य

प्रश्नपत्र : चतुर्थ

सत्र 2021- 22

अंक - 70

प्रश्न पत्र का शीर्षक–उपन्यासकार प्रेमचन्द

पाठ्यक्रम

1 गोदान– उपन्यास रंगभूमि
कहानी–बूढ़ी काकी, बड़े भाई साहब, शतरंज के खिलाड़ी, पूस की रात, दो बेलों की कथा, सद्गति।

2 प्रेमचन्द्र युगीन परिवेश

3 हिन्दी उपन्यास, परम्परा और प्रेमचन्द

4 हिन्दी कहानी उद्भव, विकास और प्रेमचन्द

5 द्रुतपाठ– विश्वम्भर नाथ शर्मा कौशिक, बैचेन शर्मा 'उग्र' भगवती प्रसाद बाजपेयी, वृंदावनलाल वर्मा।

नोटः सभी इकाईयों से लघुउत्तरीय एवं दीर्घउत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे।

प्रश्न अंक	–योग 70
लघु उत्तरीय	– 5×4 = 20
दीर्घ उत्तरीय – एवं व्याख्या	– 10× 2 = 20 – 10× 2 = 20
वस्तुनिष्ठ प्रश्न	– 10× 1 = 10

उच्च शिक्षा उत्कृष्टता संस्थान (आई॰ ई॰ एच॰ ई॰),

एम.ए. उत्तरार्ध : सेमेस्टर : चतुर्थ

विषय : हिन्दी साहित्य प्रश्नपत्र :पंचम

सत्र 2021- 22 अंक - 70

प्रश्न पत्र का शीर्षक – आधुनिक हिन्दी काव्य और उसका इतिहास

पाठ्यक्रम

1. सुमित्रानंदन पंत – परिवर्तन, नौका विहार, एकतारा
   सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'– राम की शक्ति पूजा, कुकुरमुत्ता
   सच्चिदानंद हीरानन्द वात्स्यायन अज्ञेयः नदी के द्वीप, सरस्वती पुत्र, असाध्यवीणा।
   4.गजानन माधव मुक्तिबोध – ब्रहम राक्षस, भूल गलती।
   सुमित्रानन्दन पंत, सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला, अज्ञेय एवं मुक्तिबोध सम्सत कविताओं से व्याख्यांश।

2 आधुनिक हिन्दी काव्य (छायावाद तक) की प्रमुख प्रवृत्तियां, इतिहास एवं प्रमुख कवि।

3 छायावादोत्तर काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियां इतिहास और प्रमुख कवि।

4 निर्धारित कवियों पर समीक्षात्मक प्रश्न।

5 द्रुत पाठ – रामधारी सिंह दिनकर, हरिवंशराय बच्चन, भवानी प्रसाद मिश्र, नरेश मेहता।

नोटः समग्र पाठयक्रम से लघुउत्तरीय एवं दीर्घउत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे।

प्रश्न अंक	–योग 70
लघु उत्तरीय	– 5×4 = 20
दीर्घ उत्तरीय – एवं व्याख्या	– 10× 2 = 20 – 10× 2 = 20
वस्तुनिष्ठ प्रश्न	– 10× 1 = 10

उच्च शिक्षा उत्कृष्टता संस्थान (आई॰ ई॰ एच॰ ई॰),

एम.ए. उत्तरार्ध : सेमेस्टर : चतुर्थ समेस्टर

विषय : हिन्दी साहित्य प्रश्नपत्र : षष्ठ

सत्र 2021- 22 अंक - 70

प्रश्न पत्र का शीर्षक – भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा

पाठ्यक्रम

1 हिन्दी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि–प्राचीन भारतीय आर्य भाषाएं–वैदिक तथा लौकिक संस्कृत और उनकी विशेषताएं। मध्यकालीन भारतीय आर्य भाषाएं–पालि, प्राकृत–शौरसेनी, अर्थ माधवी, अपभ्रंश और उनकी विशेषताएं। आधुनिक भारतीय आर्य भाषाएं और उनकी वर्गीकरण।

2 हिन्दी का भौगोलक विस्तारः हिन्दी की उपभाषाएं पश्चिमी हिन्दी, पूर्वी हिन्दी, राजस्थानी, बिहारी तथा पहाड़ी और उनकी बोलियां। खडी बोली, ब्रज और अवधी की विशेषताएं।

3 हिन्दी का भाषिक स्वरूपः हिन्दी की स्वनिम व्यवस्था– खंडय खंडेतर। हिन्दी शब्द रचना. उपसर्ग, प्रत्यय, समास। रूप रचना–लिंग, वचन और कारक–व्यवस्था के संदर्भ मे, हिन्दी की संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण और क्रिया रूप। हिन्दी वाक्य रचना पदक्रम और अन्विति।

4 हिन्दी के विविध रूपः संपर्क भाषा, राष्ट्रभाषा के रूप में हिन्दी, माध्यम–भाषा, संचार–भाषा, हिन्दी की संवैधानिक स्थिति।

5 हिन्दी में कम्प्यूटर सुविधाएंः आंकडा–संसाधन और शब्द संसाधन, वर्तनी–शोधक मशीनी अनुवाद, हिन्दी भाषा–शिक्षण

नोटः समग्र पाठयक्रम से लघुउत्तरीय एवं दीर्घउत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे।

प्रश्न अंक	–योग 70
लघु उत्तरीय	– 5×4 = 20
दीर्घ उत्तरीय	– 10× 4 = 40
वस्तुनिष्ठ प्रश्न	– 10× 1 = 10

उच्च शिक्षा उत्कृष्टता संस्थान (आई॰ ई॰ एच॰ ई॰),

एम.ए. उत्तरार्ध | सेमेस्टर : चतुर्थ सेमेस्टर

विषय : हिन्दी साहित्य | प्रश्नपत्र : सप्तम

सत्र 2021- 22 | अंक - 70

प्रश्न पत्र का शीर्षक – हिन्दी साहित्य का इतिहास

पाठ्यक्रम

1 आधुनिक काल– आधुनिक काल की सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक पृष्ठभूमि सन् 1857 ई. का प्रथम स्वाधीनता संग्राम और पुनर्जागरण भारतेन्दु युगः प्रमुख साहित्यकार, रचनाएँ और साहित्यिक विशेषताएँ।

2 द्विवेदी युगः प्रमुख साहित्यकार रचनाएँ और साहित्यिक विशेषताएं। हिन्दी स्वछन्दतावादी चेतना का अग्रिम विकास, छायावादी काव्य, प्रमुख साहित्यकार, रचनाएं और साहित्यिक विशेषताएं।

3 उत्तर छायावाद की विविध प्रवृतियाँ– प्रगतिवाद, नयी कविता प्रमुख साहित्यकार, रचनाएँ और साहित्यिक विशेषताएँ।

4 हिन्दी गद्य की प्रमुख विधाएँ कहानी, उपन्यास, नाटक, निबंध आदि।

5 संस्मरण रेखाचित्र, जीवनी, आत्मकथा का विकास। हिन्दी आलोचना का उद्भव एवं विकास।
स्त्री विमर्श और दलित विमर्श का परिचय।

नोटः समग्र पाठयक्रम से लघुउत्तरीय एवं दीर्घउत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे।

प्रश्न अंक	–योग 70
लघु उत्तरीय	– 5×4 = 20
दीर्घ उत्तरीय	– 10× 4 = 40
वस्तुनिष्ठ प्रश्न	– 10× 1 = 10

उच्च शिक्षा उत्कृष्टता संस्थान (आई॰ ई॰ एच॰ ई॰),

एम.ए. उत्तरार्ध — सेमेस्टर : चतुर्थ समेस्टर

विषय : हिन्दी साहित्य — प्रश्नपत्र : अष्टम

सत्र 2021- 22 — अंक - 70

प्रश्न पत्र का शीर्षक – कथाकार प्रेमचन्द्र

पाठ्यक्रम

1 गबन कर्मभूमि।
कहानी–ठाकुर का कुआँ, पंच परमेश्वर, मंत्र, कफन, ईदगाह, नमक का दरोगा, कजाकी।

2 प्रेमचन्द जीवन एवं रचना यात्राः उपन्यास, कहानी, पत्रकारिता।

3 प्रेमचन्द के पाठ्य उपन्यासों की समीक्षा।

4 प्रेमचन्द के पाठ्य कहानियों की समीक्षा।

5 द्रुत पाठ– जैनेन्द्र कुमार, यशपाल, भगवतीचरण वर्मा, अमृतलाल नागर।

नोटः समग्र पाठयक्रम से लघुउत्तरीय एवं दीर्घउत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे।

प्रश्न अंक	–योग 70
लघु उत्तरीय	– 5×4 = 20
दीर्घ उत्तरीय – एवं व्याख्या	– 10× 2 = 20 – 10× 2 = 20
वस्तुनिष्ठ प्रश्न	– 10× 1 = 10